

नव भारत

नगर निगमों का सच: बजट पूरा...काम अधूरा

प्रदेश के बड़े निकाय भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में मूलभूत सुविधाएं भी कागजों तक सीमित

प्रदेश के 6 नगर निगमों की तस्वीर	बजट 32,000 करोड़ इंदौर : 29 गांवों तथा बड़ी संख्या में अवैध कॉलोनियों में सड़क, पानी और ड्रेनेज जैसी सुविधाएं चुनौती	बजट 3,938 करोड़ भोपाल : सड़क नेटवर्क के कारण सड़क, नाली व जल निकासी के काम अधूरे	बजट 400 करोड़ सतना : अमृत जल योजना और प्रधानमंत्री आवास सहित कई योजनाएं अधूरी हैं	बजट 397 करोड़ सिंगरौली : अमृत और सीवरेज के काम अधूरे, पीएम आवास भी पूरे नहीं	बजट 366 करोड़ रीवा : कायाकल्प के 42 काम लंबित, कुछ काम शुरू ही नहीं हुए	बजट 2391 करोड़ ग्वालियर : रोड, पेयजल और अन्य परियोजनाओं के कुछ अधूरे तो कुछ शुरू नहीं	पीएम आवास योजना सुस्त: प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भोपाल में 11,457 मकान बनाए जाने थे, लेकिन उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार करीब 6,573 आवास ही पूरे हो सके हैं. सितंबर में कुछ परियोजनाओं के करीब 51 हितग्राहियों को सांकेतिक चाबियां दी गईं, जबकि बड़ी संख्या में आवास अभी निर्माणाधीन हैं.
---	--	--	---	--	---	---	--

नवभारत मुद्दा

नवभारत टीम
भोपाल, 3 अक्टूबर. प्रदेश के हजारों करोड़ के बजट वाले नगर निगम जनहित के कार्यों में धरातल पर उतरते दिखाई नहीं दे रहे हैं. दूरगामी योजनाएं तो दूर मूलभूत सुविधाएं भी मुहैया करवाने में इनकी दयनीय हालत है. यूं तो देश में स्वच्छता में लगातार नंबर वन का तमगा इंदौर के नाम है, लेकिन जब जनता के लिए सड़क, पानी और बिजली की बात आती है, तो वह छोटे निगमों से भी पीछे दिख रही है. नवभारत ने भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर मुख्य नगर निगमों के साथ सतना, सिंगरौली और रीवा जैसे छोटे निकायों की बजटीय योजनाओं, प्रावधान और उनके क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत जानने का प्रयास किया. पिछले चार वर्ष की प्रगति पर जब जिम्मेदारों से चर्चा की गई तो सच्चाई चौकाने वाली सामने आई. आलम यह है कि सभी निकायों में



भोपाल का हृदय स्थल भोपाल टॉकीज चौराहा पिछले एक दशक से विकास का बांट जोह रहा है. शहर सरकार बदलती गई, लेकिन इसे तस्वीर बदलने का अब भी इंतजार है. शहर में कई ऐसे प्रोजेक्ट अधूरे हैं जिन्हें पूरा होने का इंतजार है.

बजट तो हर साल भारी भरकम तैयार किया गया, लेकिन उसका आधा हिस्सा लगभग हर साल लैप्स हो गया. जो उपयोग भी हुआ, वो जनसुविधाओं से इतर योजनाओं के हिस्से में गया. वहज की बात की जाए तो बड़ा कारण परिषद की प्राथमिकताओं में भी

जनता के कार्य सबसे अंत में दिखाई दिए. भोपाल में प्रधानमंत्री की महात्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल पीएम आवास तक पर लेतलाली का असर है. 40 फीसद आवास अब भी अटके हुए हैं. इंदौर में तो बजट के मुकाबले 10 फीसद भी आय नहीं है, जिसका

असर योजनाओं के क्रियान्वयन पर सीधे पड़ रहा है. लिहाजा बड़ी-बड़ी योजनाएं भी खाली खजाने के हवाले हैं. वहीं ग्वालियर, जबलपुर और अन्य निगम की बात करें तो यहां मूल योजनाएं ही आकार लेने से पहले बदल दी गईं.

इंदौर 20 फीसद भी नहीं आय, कैसे हों काम

इंदौर में पिछले चार वर्षों में करीब 32 हजार करोड़ रुपए के बजट प्रस्तुत किए गए, जबकि निगम की अपनी मदों से वास्तविक आय इससे काफी कम रही. उपलब्ध जानकारी के अनुसार निगम की कर एवं अन्य आय करीब 3200 करोड़ रुपए रही. सरकारों से मिलने वाली राशि जोड़ने के बावजूद बजट और वास्तविक उपलब्ध संसाधनों में बड़ा अंतर बना हुआ है. 29 गांवों तथा बड़ी संख्या में अवैध कॉलोनियों में सड़क, पानी और ड्रेनेज जैसी सुविधाएं चुनौती बनी हुई हैं.

समस्या : अनुमानित बजट और वास्तविक आय में बड़ा अंतर .
समाधान : बजट को वास्तविक आय और उपलब्ध निधि से जोड़कर प्राथमिकताएं तय हों तथा अधूरे काम पहले पूरे किए जाएं .

ग्वालियर बजट में प्रावधान, काम बदलते रहे

ग्वालियर निगम के बजट में पिंपरौली में ग्वाला नगर के लिए कई वर्षों से प्रावधान होता रहा. अब उसी स्थान पर 1500 स्ट्रीट डॉंग के लिए पांच शेल्टर हाउस बनाने का प्रस्ताव रखा गया है. इसके अलावा थीम रोड, पेयजल और अन्य परियोजनाओं के अधूरे रहने के सवाल भी सामने आए हैं. निगम के अनुसार किसी मद में बदलाव निर्धारित प्रक्रिया के तहत एमआईसी या परिषद की अनुमति से किया जाता है.

समस्या : मदों का समय पर उपयोग नहीं होना व प्राथमिकता में बदलाव .
समाधान : मद परिवर्तन का कारण, स्वीकृति व खर्च का विवरण सार्वजनिक करें, समयसीमा तय हो.

उड़ साल की मासूम नीलाक्षी को दुर्लभ बीमारी

जीन थेरेपी के लिए चाहिए 17 करोड़

► 12 महीने तक सामान्य थी बच्ची, अब पैरों की ताकत घटी
► जीन थेरेपी की व्यवस्था समय पर करना है जरूरी

नवभारत न्यूज
ग्वालियर, 3 अक्टूबर . विनय नगर सेक्टर-4 की डेढ़ साल की नीलाक्षी स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए टाइप-2) से जूझ रही है. शुरूआती 12-13 महीनों तक बच्ची सामान्य थी, लेकिन 15-16 महीने की उम्र में वह खड़ी नहीं हो पाई. धीरे-धीरे उसकी शारीरिक ताकत कम होने लगी और अब वह खुद बैठ भी नहीं पा रही है. परिवार

के अनुसार, डॉक्टरों ने जीन थेरेपी की जरूरत बताई है, जिसकी कीमत करीब 15 से 17 करोड़ रुपए है. नीलाक्षी के पिता सौरभ भागव ने बताया कि शुरुआत में उन्हें लगा कि बच्ची देर से चलना शुरू करेगी. बाद में कमजोरी बढ़ने पर ग्वालियर के डॉक्टर से परामर्श लिया. इसके बाद उसे गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल ले जाया गया.

इतनी बड़ी राशि जुटाने के लिए परिवार ने क्राइडफंडिंग शुरू की है. इम्पेक्टगुरु के माध्यम से अब तक करीब 17 लाख रुपए जुटने की बात कही गई है. परिवार ने सरकार और आम लोगों से आर्थिक मदद की अपील की है. ग्वालियर के गोविंदा फाटक स्थित फिटसडन थेरेपी सेंटर ने बच्ची की थेरेपी फ्रीस माफ कर दी है. हालांकि जीन थेरेपी के लिए बड़ी राशि की जरूरत है. नीलाक्षी की मां ने भावुक अपील करते हुए लोगों से बच्ची के उपचार में सहयोग करने का आग्रह किया है.

जांच और एसएमए जीन परीक्षण के बाद हाल ही में बीमारी की पुष्टि हुई. डॉक्टरों के अनुसार एसएमए शरीर में एसएमएन1 जीन की कमी से होने वाली बीमारी है, जिससे मांसपेशियों की ताकत प्रभावित होती है. परिवार के मुताबिक, बच्ची के उपचार के लिए जीन थेरेपी की व्यवस्था समय पर करना जरूरी है.

आदिवासी इलाकों में 400 करोड़ से होंगे 1500 काम

नवभारत न्यूज
भोपाल, 3 अक्टूबर . बालाघाट के उन आदिवासी इलाकों में बुनियादी सुविधाएं मजबूत करने की योजना तैयार की गई है, जहां कुपोषण और बीमारी से बच्चों की मौत के मामले सामने आए हैं. किनापुर, बिरसा, लांजी, बैहर और परसवाड़ा ब्लॉक में करीब 1500 विकास कार्यों पर एक साल में लगभग 400 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे. योजना में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य केंद्र, पुलिस, स्टॉप डैम, सामुदायिक भवन और राशन दुकानों सहित कई काम शामिल हैं. मुख्य सचिव अशोक

वर्णवाल ने योजना को सैद्धांतिक सहमति दी है. 13 विभाग मिलकर इन कार्यों को जमीन पर उतारेंगे. शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी योजना जानकारी दी गई. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर मुख्य सचिव इसकी निगरानी कर रहे हैं, जबकि जनजातीय विभाग के प्रमुख सचिव गुलशन बामरा विभागों के बीच समन्वय करेंगे.

नौरादेही में 7 अक्टूबर को आएं दो चीते, सीएम करेंगे सॉफ्ट रिलीज

भोपाल. मध्यप्रदेश में चीता पुनर्स्थापना का दायरा अब बुंदेलखंड तक बढ़ने जा रहा है. कूनों नेशनल पार्क और गांधी सागर के बाद वीरगंगा दुर्गावती टाइगर रिजर्व (नौरादेही) चीतों का तीसरा ठिकाना बनने जा रहा है. 7 अक्टूबर को कूनों से दो चीतों को नौरादेही लाया जाएगा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दोनों चीतों को निर्धारित सॉफ्ट रिलीज क्षेत्र में छोड़ेंगे. चीता स्टीयरिंग कमेटी ने नौरादेही में कुल चार चीतों को बसाने की मंजूरी दी है. पहले चरण में नर चीता थोलो और मादा चीता सीसीबी-3 को लाया जाएगा. सीसीबी-3, गांधी सागर में छोड़ी गई मादा चीता राधा को बहन है.



युवक ने मां, नाना-नानी समेत चार की हत्या की

► लाठी-डंडे से किया हमला, दो बच्चियां समेत कई घायल
► पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया

नवभारत न्यूज
अनूपपुर, 3 अक्टूबर. अनूपपुर जिले के अमोदा बिजौरा गांव में शनिवार को एक युवक ने लाठी-डंडे से हमला कर अपनी मां, नाना-नानी और मामा की बेटी की हत्या कर दी. घटना में मामा और दो बच्चियों समेत कई लोग घायल हुए हैं. घायलों को उपचार के लिए शहडोल मेडिकल कॉलेज भेजा गया है. पुलिस ने आरोपी प्रेम सिंह को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है. पुलिस के अनुसार, ग्राम मरदरी निवासी प्रेम सिंह करीब

एक सप्ताह पहले अपनी मां अनुपिया बाई के साथ अपने नाना-नानी के घर अमोदा बिजौरा आया था. शुक्रवार को किसी विवाद के बाद उसने सनी धाम के पंडा गंगा सिंह के साथ भी मारपीट की थी. इसके बाद ग्रामीणों ने उसे पकड़कर रस्सी से बांध दिया था. हालांकि बाद में उसकी मां ने उसे खोल दिया. बताया गया है कि रस्सी से मुक्त होने के बाद प्रेम सिंह ने घर में अपनी मां पर हमला कर दिया. इसके बाद उसने नाना संपत सिंह गोंड और नानी भन्नी बाई गोंड पर भी लाठी-डंडे से वार किए. हमले में तीनों की मौत हो गई. इसके बाद उसने परिवार के अन्य सदस्यों को भी निशाना बनाया. मामा की बेटी मोनिका की भी मौत की जानकारी सामने आई है.

घटना की सूचना मिलते ही अनूपपुर पुलिस का दल मौके पर पहुंचा. उमरिया और अनूपपुर पुलिस की टीमां ने घटनास्थल पर जांच शुरू की. आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. स्थानीय लोगों ने आरोपी को मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया है, लेकिन पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है. पुलिस घटना के कारण और पूरे घटनाक्रम की परिस्थितियों की जांच कर रही है.

ट्राले ने बाइक सवार परिवार को रौंदा, तीन की मौत

► बेटी गंभीर घायल और अस्पताल में चल रहा इलाज
► हादसे के बाद मौके पर मची अफरा-तफरी



नवभारत न्यूज
बदनावर, 3 अक्टूबर. धार जिले के बदनावर में तेज रफ्तार ट्राले की टक्कर से बाइक सवार परिवार हादसे का शिकार हो गया. दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि उनकी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. घायल बच्ची को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया.

परिवार बाइक से जा रहा था. इसी दौरान तेज रफ्तार ट्राले ने बाइक को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार परिवार के सदस्य सड़क पर गिर पड़े और गंभीर चोटें आईं. हादसे में तीन लोगों ने दम तोड़ दिया, जबकि बेटी गंभीर हालत में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही है. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में मदद की.